

12



माननीय राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर

पुनरीक्षण याचिका संख्या/- R 2181 III/14 वर्ष 2014

- 1/- अबधेश सिंह पुत्र श्री बशिष्ठिनारायनसिंह ठाकुर
  - 2/- श्याम दीमर पुत्र श्री हल्कू दीमर
  - 3/- न्यू कुशवाहा तनय टूडू काछी उर्फ टूडा
  - 4/- रमल उर्फ रमला कुशवाहा तनय टूडू काछी उर्फ टूडा
- निवासीयान ग्राम बम्हौरी बराना तहसील लिधौरा  
जिला तीकमगढ़ म०प्र० -----पुनरीक्षणकर्ता/आवेदक  
गाँ

बि० 3 च० 4० ००  
21/7/14 को

राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर

बनाम

बजीर खां मुसलमान तनय हसन खां मुसलमान निवासी  
ग्राम बम्हौरी बराना तह० लिधौरा जिला तीकमगढ़  
म० प्र० ----- अनावेदक

21/7/14

पुनरीक्षण याचिका अन्तर्गत धारा 50 म० प्र० भू० री० सं०  
के प्रावधानों के अधीन जो कि राजस्व निरीक्षक मण्डल लिधौरा  
जिला तीकमगढ़ म०प्र० द्वारा उनके कार्यालय के प्रकरण क्रमांक  
3/ए/12/2013-014 में पारित आदेश दिनांक 26-5-2014 के  
विरुद्ध ।

महोदय,

आवेदक पुनरीक्षणकर्तागण अपनी पुनरीक्षण याचिका में सादर निम्न विन्य

करते हैं :-

- 1/- यह कि प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार है कि अनावेदक ने भूमि खसरा नम्बर 392/1/1 रकवा 1-334 हे० स्थित ग्राम पठार की भूमि का सीमांकन किये जाने हेतु राजस्व निरीक्षक मण्डल लिधौरा के सम्क्ष आवेदन पेश किया जिस पर से अनावेदक की भूमि का सीमांकन किया गया और उक्त सीमांकन की कार्यवाही एवं प्रतिवेदन में यह तथ्य प्रकट किये गये कि अनावेदक की उक्त भूमि का अंशभाग 0-160 आरे० रामबगस में अंशभाग 0-500 आरे० आवेदक एक की भूमि में कुंआखोदकर एवं अंशभाग

21/7/14

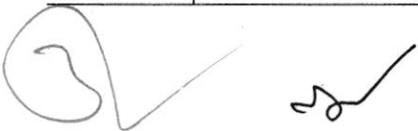
**XXXIX(a)BR(H)-11**

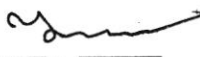
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - निग0 2181-तीन/14

जिला - टीकमगढ़

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
02/01/18	<p>प्रकरण का अवलोकन किया गया । यह निगरानी राजस्व निरीक्षक, लिधोरा तहसील लिधोरा जिला टीकमगढ़ के प्रकरण क्रमांक 3/ए/12/13-14 में पारित आदेश दिनांक 26.5.14 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा ) की धारा 50 के तहत प्रस्तुत की गई है ।</p> <p>2- प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं कि अनावेदक द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि खसरा नं. 392/1/1 रकबा 1.334 स्थित ग्राम पठार तहसील लिधोरा के सीमांकन हेतु राजस्व निरीक्षक, लिधोरा को आवेदन दिया गया । उक्त आवेदन पर कार्यवाही करते हुए राजस्व निरीक्षक द्वारा दिनांक 23.5.14 को सीमांकन किया जाकर पंचनामा बनाया गया एवं आलोच्य आदेश द्वारा प्रकरण में कोई कार्यवाही शेष न होने से प्रकरण समाप्त किया गया । राजस्व निरीक्षक इस आदेश से दुखित होकर यह निगरानी इस न्यायालय में पेश की गई है ।</p> <p>3- आवेदक के विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रकरण का निराकरण गुणदोष पर किए जाने का निवेदन किया गया है ।</p> <p>4- अनावेदक के विद्वान अधिवक्ता को प्रकरण में नियत दिनांक 21.12.17 को 7 दिवस में लिखित तर्क प्रस्तुत करने हेतु समय दिया गया था परंतु उनके द्वारा आज दिनांक तक लिखित बहस पेश नहीं की गई है ।</p> <p>5- अभिलेख का अवलोकन किया । अभिलेख के अवलोकन से यह पाया जाता है कि इस प्रकरण में अधीनस्थ न्यायालय की जो कार्यवाही है वह विधिसम्मत प्रतीत नहीं होती है क्योंकि अभिलेख में जो सूचनापत्र</p>	



स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिलेखों आदि के हस्ताक्षर
	<p>संलग्न है उसमें आवेदकगण एवं अनावेदक के अतिरिक्त अन्य 2 सरहदी काश्तकारों के नाम भी उल्लेख है परंतु उन्हें तथा आवेदक क्रमांक 1 अवधेश को सूचना दी गई है यह प्रमाणित नहीं है क्योंकि नाम के सामने उनके हस्ताक्षर नहीं है । प्रतिवेदन के साथ जो पंचनामा संलग्न है उसमें भी उनके उपस्थित रहने या हस्ताक्षर न करने आदि का कोई उल्लेख नहीं है । पंचनामा में आवेदक श्याम ढीमर के मौके पर उपस्थित रहने तथा हस्ताक्षर करने से इंकार करने की बात कही गई है परंतु पंचनामा के अवलोकन से स्पष्ट है कि उक्त लाइन पंचनामा तैयार किये जाने के बाद बढ़ाई गई है । ऐसी स्थिति में इस प्रकरण में सीमांकन की जो कार्यवाही है वह विधिसम्मत नहीं है । अतः राजस्व निरीक्षक द्वारा पारित आदेश की पुष्टि नहीं की जा सकती ।</p> <p>परिणामतः राजस्व निरीक्षक द्वारा पारित आदेश दिनांक 26-5-14 विधि विरुद्ध होने से निरस्त किया जाता है तथा प्रकरण तहसीलदार को इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया जाता है कि वे उभयपक्षों एवं अन्य सरहदी का तकारों को विधिवत सूचना देकर प्रकरण में सीमांकन की कार्यवाही विधिवत करें ।</p> <p>उभयपक्ष सूचित हों । अभिलेख वापिस किए जायें ।</p>	<p style="text-align: right;">             प्रशा0 सदस्य         </p>